Literacy for a Billion

Movie: Kaajal
Year: 1965

Song: Chhu Lene Do Nazuk Honthon
Lyricist: Sahir Ludhianvi

छू लेने दो
नाज़ुक होंठों को
कुछ और नहीं है
जाम है ये
छू लेने दो
नाज़ुक होंठों को
कुछ और नहीं है
जाम है ये
कुदरत ने जो
हमको बख़्शा है
वो सबसे हसीं
इनाम है ये
छू लेने दो
नाज़ुक होंठों को

शरमाके न यूँ ही
खो देना
रंगीन जवानी की
घड़ियाँ
शरमाके न यूँ ही
खो देना
रंगीन जवानी की
घड़ियाँ
बेताब धड़कते सीनों का
अरमान भरा
पैग़ाम है ये

छू लेने दो
नाज़ुक होंठों को
कुछ और नहीं है
जाम है ये
छू लेने दो
नाज़ुक होंठों को

अच्छों को बुरा
साबित करना
दुनिया की पुरानी
आदत है
अच्छों को बुरा
साबित करना
दुनिया की पुरानी
आदत है
इस मै को मुबारक
चीज़ समझ
माना के बहुत
बदनाम है ये
छू लेने दो
नाज़ुक होंठों को
कुछ और नहीं है
जाम है ये

छू लेने दो
नाज़ुक होंठों को

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.